10 लाख करोड़ की परियोजनाएं आज धरातल पर

पीएम मोदी देंगे 14 हजार परियोजनाओं की सौगात

भूमि पूजन समारोह

34 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी सोमवार को तरक्की की लंबी छलांग का गवाह बनेगा। 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 हजार निवेश परियोजनाओं की सौगात देंगे। इससे 34 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, जो यूपी को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के सीएम योगी आदित्यनाथ के सपने को पूरा करने की दिशा में एक अहम पड़ाव होगा।

पीएम मोदी सोमवार को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। दिग्गज उद्योगपतियों को संबोधित करने के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और अन्य गणमान्य लोगों के साथ वहां लगी प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। पिछले वर्ष 10 से 12 फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आयोजन हुआ था और अब 19-21 फरवरी के बीच भूमि पूजन समारोह (जीबीसी) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के जाने-माने उद्योगपति शामिल होंगे। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद योगी सरकार के लिए यह एक और बड़ा अवसर है, जब पूरी दुनिया की नजरें यूपी की ओर हैं।

सोमवार को होने वाले भूमि पूजन समारोह के लिए तैयार इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान। संवाद

...प्रमुख वक्ता ये भी

- हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन धीरज हिंदुजा
- सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के सीईओ जेपी पार्क
- आईएनजीकेए के सीईओ सुसैन पल्वरर
- टोरेंट ग्रुप के एमडी जीनल मेहता
- एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन जलज मेहता
- सीएम योगी यूपी में उद्योगों के अनुरूप भविष्य की योजनाओं पर अपनी बात रखेंगे।
- लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह का संबोधन।
- पीएम को प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाएगी।

4000 प्रतिभागी

तीन दिवसीय आयोजन में दुनिया के करीब 4000 प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की संभावना है। इसमें जाने-माने उद्योगपति, फॉर्च्यून ग्लोबल/इंडिया 500 कंपनियां, विदेशी निवेशक भागीदार, राजदूत व उच्चायुक्त और अन्य प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हैं।

- प्रदर्शनी स्थल पर 10 अलग-अलग पवेलियन बनाए गए हैं, जिनमें एआई पवेलियन, टेक्सटाइल, डाटा सेंटर व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, फिल्म सिटी, इन्वेस्ट यूपी व टॉप इन्वेस्टर्स, मेडिकल डिवाइस, ईवी एंड रिन्यूएबल एनर्जी और डिफेंस व एयरोस्पेस शामिल हैं। >> वर्तमान व भविष्य की रूपरेखा जान सकेंगे : पेज 2

कहां-कितना निवेश

प्रदेश के सभी हिस्सों और जिलों में निवेश होगा। सर्वाधिक 52 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं की शुरुआत पश्चिमांचल में होगी। इसके बाद पूर्वांचल में 29, मध्यांचल में 14 और बुंदेलखंड में 5 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।

एटा समेत 19 जिलों में लक्ष्य से ज्यादा निवेश

- प्रदेश के 19 जिले ऐसे हैं, जिन्होंने लक्ष्य से ज्यादा निवेश हासिल किया। इनमें एटा ने 354 प्रतिशत, सीतापुर 145, शाहजहांपुर 127, सोनभद्र 121, चंदौली 117, मुजफ्फरनगर और मुरादाबाद 114, मीरजापुर 113, हरदोई 111, अमेठी 108, बाराबंकी 108, फतेहपुर-गोंडा 105, बरेली 104, रामपुर 103, बहराइच 101 और लखीमपुर खीरी, भदोही व बिजनौर ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है।

निवेश में 16 विभाग आगे

- 37 विभागों के माध्यम से यह निवेश होगा। इनमें 16 विभाग ऐसे हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल किया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने 888 प्रतिशत, फूड एंड सिविल सप्लाई 226, वन विभाग 182, आयुष 173, पशुपालन 167, ऊर्जा 165, माध्यमिक शिक्षा 139, तकनीकी शिक्षा 133, उद्यान 120, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत 114, केन डेवलपमेंट एंड शुगर इंडस्ट्री 112, चिकित्सा शिक्षा 110, स्वास्थ्य 105, यीडा 103, नागरिक उड्डयन 100 और जीनीडा ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है।